मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

07 जनवरी 2026

वर्ष - 03, अंक - 36 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

स्वर्गीय श्री कश्मीरी लाल जी अरोरा स्मृति में खेलों का महाकुंभ आज से

10 बजे भव्य शुभारंभ, 11 बजे से भिड़ंत, 5 वर्ष के मासूम बच्चे से लेकर 85 वर्ष तक के बुजुर्ग दिखाएंगे अपने जोहर

नीमच। स्व. श्री कश्मीरीलाल जी अरोरा की स्मृति में खेले जा रहे खेलों के महाकुंभ के अंतर्गत शतरंज के इंटरनेशनल टूर्नामेंट में 5 वर्ष के मासूम बालक से लेकर 85 वर्ष तक के बुजुर्ग भी हिस्सा ले रहे हैं और इस प्रतियोगिता को ऐतिहासिक ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। जहां नीमच के 5 वर्षीय मासूम साहेब सिंह गोत्रा इस टूर्नामेंट में दावेदारी कर रहे हैं वहीं झांसी उत्तर प्रदेश के 85 वर्षीय बुजुर्ग आरके गुप्ता इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष विजयरत्न गर्ग व ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र सोनी ने बताया कि आज गुरुवार को सुबह 10:00 बजे प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ गणमान्यजनों की उपस्थिति में किया जाएगा। श्री गर्ग व श्री सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता में 300 प्रतिभावान व श्रेष्ठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आयोजन की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ(फीडे) के निर्देशन में होने वाले इस टूर्नामेंट के प्रति खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। नीमच के इतिहास में यह पहला ऐसा आयोजन होगा जो अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा। नीमच की प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी अपनी प्रतिभा दिखाने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हो रहा है। गौरतलब है फीडे की रेटिंग प्राप्त करना हर शतरंज खिलाड़ी का एक सपना है।

समाजसेवी अरुल अशोक अरोरा ने बताया कि इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने के सभी प्रयास किया जा रहे हैं। खिलाड़ियों को अच्छी से अच्छी सुविधा मिले अच्छे से अच्छे वातावरण में वे अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करें ऐसी सारी व्यवस्थाएं जुटा गई है।

ये रहेंगे उपस्थित - श्री गर्ग व श्री सोनी ने बताया कि गुरुवार को होने वाले शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरमीत सिंह अरोरा चेयरमैन एमपी चेस एसोसिएशन एडहॉक कमेटी, सज्जन सिंह चौहान जिला पंचायत अध्यक्ष, अनिरुद्ध माधव मारू विधायक मनासा, आरवी गोयल संपादक दशपुर एक्सप्रेस, सुरेंद्र सेठी संपादक मालवा आज तक, राकेश सोन नीमच टुडे न्यूज़, दीपक खाताबिया एमपी 44 न्यूज़, वंदना खंडेलवाल भाजपा जिलाध्यक्ष, तरुण बाहेती कांग्रेस जिलाध्यक्ष, उमराव सिंह गुर्जर पूर्व कृषि उपज मंडी अध्यक्ष, कैलाश धानुका उद्योगपति।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल, क्या ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख दिया है?

नीरज कुमार दुबे

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल दिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है।

पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही

ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था।

दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं। जब राजनयिक रास्ता खुला रहता है तो हवाई हमले, बमबारी और अस्थिरता फैलाने वाले कदम किसी भी सभ्य कूटनीतिक प्रणाली का अंग नहीं बन सकते।

अब तीसरा सवाल यह है कि आगे वेनेजुएला का क्या होगा? देखा जाये तो उस देश का एक अस्थिर भविष्य बेहद संभावित है। हिंसात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के भीतर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ और भी भयावह हो सकती हैं। यह देश पहले ही आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति तथा सामाजिक असंतोष का शिकार है, ऐसे में एक बाहरी सैन्य हमले से जनता का मनोबल गिर सकता है, नागरिक प्रतिरोध भड़क सकता है तथा आंतरिक संघर्ष और अधिक गहरा हो सकता है। इसके अलावा यह कदम लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय स्थिरता को भी दहला सकता है और पड़ोसी देशों को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर सकता है।

चौथा सवाल अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रभावों से संबंधित है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति, वैश्विक सामरिक संतुलन पर लंबी अवधि में गंभीर प्रभाव डाल सकती है। ट्रंप द्वारा ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए धमकी देना और अब वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप जैसे कदम यह संकेत देते हैं कि अमेरिका एक ऐसा वैश्विक प्रहरी बनने की इच्छा रखता है जो अपने हितों को थोपने के लिये सैन्य बल का उपयोग करता है यह विश्व को दोध्रुवीकृत कर सकता है। निश्चित ही यह सब अमेरिका की विरोधी शक्तियों को एकजुट करने का काम करेगा। रूस, चीन और अन्य राष्ट्र पहले ही अमेरिका के इस कदम की निंदा कर चुके हैं तथा इसे सामरिक आक्रमण बता रहे हैं। देखा जाये तो वैश्विक सुरक्षा तंत्र पहले से ही तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है, ऐसे में एक प्रमुख सुपरपावर द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ हमला करना वैश्विक शासन और सहयोग के लिये एक गंभीर प्रश्न छोड़ता है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकार का सम्मान केवल शब्दों में नहीं होना चाहिए बल्कि उसे कार्यनीतिक फैसलों और कार्रवाईयों में भी प्राथमिकता दी जानी चाहिये। एक अनियंत्रित और एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना दीर्घकालीन वैश्विक स्थिरता, शांति तथा न्याय की भावना के खिलाफ होगा। ट्रंप के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनमाने ढंग से सेना, हथियार तथा सैन्य बल की धमकी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग को कमजोर करता है तथा विश्व समुदाय के विश्वास को तोड़ता है। इसलिए वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक समुदाय को संयम, संवाद और न्यायिक प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए तभी हम एक बेहतर, अधिक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत विश्व की कल्पना कर सकते हैं।

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?

चिंतन-मनन

यक्ष-प्रश्न की युगीन व्याख्या

महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते हो। नकुल और अन्य भाइयों को जोर की प्यास लग रही थी, अतः वे बिना यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिए ही पानी पीने लगे और मृत्यु को प्राप्त हुए। जब युधिष्ठिर की बारी आई तो उन्होंने न केवल यक्ष के सभी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुने अपितु उनका तर्कपूर्ण उत्तर भी दिया जिसे सुनकर यक्ष संतुष्ट हो गया। यक्ष द्वारा युधिष्ठिर से पूछे गए प्रश्नों में एक प्रश्न स्थायित्व, धैर्य, स्नान और दान से संबंधित भी था।

यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा कि स्थायित्व किसे कहते हैं? धैर्य क्या है? स्नान किसे कहते हैं? और दान का वास्तविक अर्थ क्या है?

युधिष्ठिर ने इन प्रश्नों का जो उत्तर दिया, वह इस प्रकार था- अपने धर्म में स्थिर रहना ही स्थायित्व है। अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना ही धैर्य है। मनोमालिन्य का त्याग करना ही स्नान है और प्राणीमात्र की रक्षा का भाव ही वास्तव में दान है। महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते।

महाभारतकालीन यक्ष-युधिष्ठिर संवाद के प्रश्नों के उत्तर की प्रासंगिकता उस युग की तुलना में आज कहीं अधिक है। स्थायित्व या सिद्धांतवादिता को लोगों ने हठधार्मिता का रूप दे दिया है, जबकि संकल्प की दृढ़ता या स्थायित्व से आशय अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ता से है। उसे भौतिक सुख-समृद्धि से जोड़ना गलत है। धैर्य को लेकर भी समाज में अनेक गलत धारणाएँ प्रचलित हैं।

हाथ पर हाथ धरे निठल्ले और आलसी बनकर अवसर की प्रतीक्षा करना धैर्य का पर्याय कभी नहीं हो सकता है। मनुष्य द्वारा श्रेष्ठ कार्यों के प्रति सक्रिय, तत्पर और आतुर बने रहकर अपनी समस्त इन्द्रियों पर अंकुश पाकर सदाचार का जीवन व्यतीत करना ही वास्तव में धैर्य है। शास्त्र और साधु-महात्माओं के प्रवचनों में पवित्र नदियों में स्नान की महिमा का बढ़-चढ़कर बखान किया गया है। लेकिन जब तक हमारे मन की मलीनता नहीं मिटती, तब तक बड़ी से बड़ी नदी में किया गया स्नान भी पूर्ण फलदायी नहीं होगा। अतः जिसने अपने मन को ऊँच-नीच, ईर्ष्या-द्वेष, तेरा-मेरा, बड़ा-छोटा आदि के भेद से पूरी तरह मुक्त कर गंगाजल की तरह पवित्र बना लिया, वह भले ही सौ दिन से नहीं नहाया हो, तब भी उसे सबसे पवित्र इंसान माना जाएगा। दान के बारे में भी लोगों को कई तरह की गलतफहमियाँ हैं। जो सक्षम हैं, वे मुट्ठी-दो मुट्ठी दान कर दाता भाव के अभिमान से चूर हो फूले नहीं समाते हैं।

इन्दौर जल त्रासदी पर नीमच में हुआ प्रदर्शन

कांग्रेस का हल्लाबोल, विधायक निवास पर बजाया 'घंटा'

नाराजगी : कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन, प्रशासनिक लापरवाही को बताया 'सरकारी हत्या'

नीमच 5 जनवरी (निप्र)। इंदौर में दूषित एवं मल-मूत्र युक्त पानी के सेवन से हुई 15 नागरिकों की मृत्यु और हजारों लोगों के बीमार होने की घटना ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस हृदयविदारक घटना के विरोध में शुक्रवार को नीमच जिला कांग्रेस का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'घंटा बजाओ' आंदोलन के तहत क्षेत्रीय विधायक दिलीप सिंह परिहार के निवास का घेराव किया। कांग्रेस ने इस घटना को 'सामूहिक सरकारी हत्या' करार देते हुए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग बुलंद की।

गांधी भवन से रैली के रूप में निकले कार्यकर्ता – आंदोलन का आगाज शहर के गांधी भवन से हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एकत्रित हुए। हाथों में घंटे और सरकार विरोधी तख्तियां लिए कार्यकर्ता रैली के रूप में शहर के प्रमुख मार्गों से निकले। पूरे रास्ते 'घंटा बजाओ, भाजपा सरकार मुर्दाबाद' के नारों और घंटों की गूंज से समूचा शहर गुंजायमान रहा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्यकर्ता विधायक निवास पहुंचे और वहां जोरदार प्रदर्शन किया।

अमर्यादित भाषा पर जताया कड़ा ऐतराज – प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मीडिया के सवालों पर 'घंटा' जैसे शब्दों के प्रयोग की कड़ी निंदा की। नेताओं ने कहा कि एक तरफ लोग जान गंवा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार मंत्री संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार कर अमर्यादित भाषा का उपयोग कर रहे हैं। यह पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

अहंकार में डूबी है सरकार – विधायक निवास के बाहर धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि उन निर्दोष लोगों के लिए है जो सत्ता के अहंकार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती और मंत्री इस्तीफा नहीं देते, आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया ने भी मुख्यमंत्री मोहन यादव से सार्वजनिक माफी और मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम – प्रदर्शन को देखते हुए विधायक निवास के बाहर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को निवास के मुख्य द्वार पर ही रोक दिया, जहाँ कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डिकेन में 12 जनवरी को होगा विराट हिंदू सम्मेलन

जावद/डिकेन 4 जनवरी (निप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर आगामी 12 जनवरी 2026 को डीकेन नगर में एक भव्य 'विराट हिंदू सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इस वृहद आयोजन की रणनीति और रूपरेखा तैयार करने हेतु गगरानी धर्मशाला में सकल हिंदू समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में हिंदू समाज की एकजुटता, सम्मेलन के उद्देश्यों और इसकी सार्थकता पर विस्तार से विमर्श किया गया।

समिति का हुआ गठन, इन्हें मिली जिम्मेदारी – बैठक के दौरान सर्वसम्मति से 'श्रीराम विराट हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति, डीकेन' का गठन किया गया। इसमें उमेंद्र जोशी को संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, चंद्रप्रकाश पालीवाल, ओमप्रकाश भूत और मुकेश खोखावत को सह-संयोजक मनोनीत किया गया। आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए लगभग 100 सदस्यों की एक प्रभावी कार्यकारिणी बनाई गई है। खंड संयोजक रमेश प्रजापत, सामाजिक समरसता संयोजक अमित अरवेंदकर और खंड कार्यवाह श्रीलाल गुर्जर ने समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पीले चावल देकर दिया जाएगा निमंत्रण – सम्मेलन के प्रचार-प्रसार को गति देने के लिए नगर के हर घर तक दस्तक दी जाएगी। टोली बनाकर पीले चावल, पत्रक और स्टीकर का वितरण किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की टोलियां मोहल्लों और बस्तियों में जाकर नगरवासियों को इस भव्य आयोजन का साक्षी बनने का आग्रह करेंगी। पूरे नगर को भगवा पताकाओं से सजाकर उत्सव जैसा माहौल बनाया जाएगा।

सामुदायिक भवन की जगह दुकानें बन रही, कलेक्टर से की शिकायत

नीमच । जिले के जावद में नयागांव में सरकारी जमीन पर दुकानों के निर्माण को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान नेता राजकुमार अहीर के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर हिमांशु चंद्रा को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि जिस जमीन पर सामुदायिक भवन बनना था, वहां अब नगर परिषद नियमों के खिलाफ जाकर दुकानें बनवा रही है ।

सामुदायिक भवन के लिए मिली जमीन पर दुकानों की तैयारी – ग्रामीणों का कहना है कि करीब सात बीघा जमीन विशेष रूप से सामुदायिक भवन (कम्युनिटी हॉल) के लिए आवंटित की गई थी। इसके लिए पहले भूमि पूजन भी हो चुका है। अब अचानक वहां व्यावसायिक दुकानें बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे प्रजापत, माली, जायसवाल और मीणा मोहल्ले के निवासियों में काफी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि इलाके में कोई दूसरा मांगलिक भवन नहीं है, जिससे गरीबों को शादियों और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भटकना पड़ता है।

जनहित के काम हों, निजी फायदा नहीं – किसान नेता राजकुमार अहीर ने कहा कि सरकारी जमीन का इस्तेमाल जनता की सुविधाओं के लिए होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि अपने निजी या व्यावसायिक फायदे के लिए इस जमीन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि जिस जगह श्मशान की जमीन को बदलकर सामुदायिक भवन की मंजूरी मिली थी, वहां अब दुकानें बनाना गलत है।

देवदूत बना आरपीएफ जवान : हेड कॉन्स्टेबल ने खींचकर बचाई जान

चलती ट्रेन में चढ़ते समय महिला गिरी

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म और कोच के बीच फंसी यात्री को खींचकर सुरक्षित निकाला, मामूली चोटें, बड़ा हादसा टला

नीमच 3 जनवरी (निप्र)। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय एक महिला यात्री असंतुलित होकर प्लेटफॉर्म और कोच के बीच गिर गईं। मौके पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हेड कांस्टेबल की तत्परता से महिला की जान बच गई।

घटना 2 जनवरी 2026 की रात करीब 8.25 बजे की है, जब सवारी गाड़ी 19712 रवाना हो रही थी। सीहोर के नंदी चौराहा निवासी संजना यादव (48), पति राजेश यादव, अपने परिवार के साथ सीहोर से नीमच की यात्रा कर रही थीं। वह ट्रेन के एम-2 कोच में सवार थीं। उज्जैन स्टेशन पर ठहराव के दौरान वह खाने-पीने का सामान लेने प्लेटफॉर्म पर उतरी थीं। ट्रेन के रवाना होते समय जब संजना यादव वापस कोच में चढ़ने लगीं, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म व कोच के बीच फंसकर गिर पड़ीं। स्थिति गंभीर देख ट्रेन में एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ हेड कांस्टेबल रामाश्रय पाल ने बिना समय गंवाए साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने तुरंत महिला को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मामूली चोटें आईं, बस से नीमच हुईं रवाना – हादसे के बाद घबराई हुई महिला यात्री को आरपीएफ पोस्ट ले जाया गया। उनके शरीर पर मामूली खरोंचें आई थीं, जिनका प्राथमिक उपचार कराया गया। ट्रेन छूट जाने के कारण महिला बाद में अपने परिजनों के साथ बस के माध्यम से नीमच के लिए रवाना हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों ने जवान की सूझबूझ की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है।

एमपी बोर्ड परीक्षाओं पर डिजिटल पहरा

16 लाख छात्रों की परीक्षा की होगी ऑनलाइन निगरानी, केंद्रों पर लगेंगे जैमर और सीसीटीवी

भोपाल 5 जनवरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं सात फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। इस बार परीक्षा को पूरी तरह 'लीक-प्रूफ' बनाने के लिए मंडल मोबाइल एप से ऑनलाइन निगरानी होगी। मंडल सुरक्षा के काफी एहतियात बरत रहा है। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी को भी मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। इसमें केंद्रों के अंदर केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ के पास मोबाइल नहीं रहेगा।

226 केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे – साथ ही नेटवर्क जाम करने के लिए प्रदेश के 700 संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों पर जैमर और 226 केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। मंडल पूरी निगरानी कंट्रोल रूम से ऑनलाइन करेगा। परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल तैयार किया गया है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। बता दें, कि प्रदेश के करीब 16 लाख विद्यार्थी शामिल हैं।

इस तरह से होगी निगरानी – परीक्षा में तैनात सभी अधिकारी मोबाइल पर मंडल का एप डाउनलोड करेंगे। एप से पुलिस थाने से प्रश्न-पत्र के निकलने की एंट्री, केंद्रों पर प्रश्न-पत्र खोलने से लेकर वितरण की एंट्री, परीक्षा खत्म होने के बाद बंडल बनने और मूल्यांकन केंद्र पर जमा करने तक की एंट्री की जाएगी। यहां तक कि हर प्रश्नपत्र के बंडल लोकेशन भी ट्रेस होगी। इसके अलावा कलेक्टर प्रतिनिधि और उड़नदस्तों की मॉनीटरिंग भी एप के माध्यम से की जाएगी।

प्रश्नपत्र बंडलों को निकालने कलेक्टर प्रतिनिधि होंगे तैनात – इस बार प्रश्नपत्र बंडलों को थाना से निकालने में कलेक्टर प्रतिनिधि को तैनात किया जाएगा। सुबह 6.30 बजे कलेक्टर प्रतिनिधि पुलिस थाना पहुंचकर सेल्फी भेजेंगे। इनकी मॉनीटरिंग भी एप के माध्यम से होगी। पुलिस थाने से लेकर केंद्र तक प्रश्नपत्र पहुंचाने और वितरण तक इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य

हिन्दू धर्म में पंच नित्य कर्म का उल्लेख मिलता है जिन्हें हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य कहा जाता है। उक्त पंच कर्म की उपयोगिता वैदिक काल से बनी हुई है। इस पंच नित्य कर्म का सभी धर्म पालन करते हैं। कर्तव्यों का विशद विवेचन धर्मसूत्रों तथा स्मृतिग्रंथों में मिलता है। ये पांच कर्म है-1. संध्योपासन, 2. उत्सव, 3. तीर्थ, 4. संस्कार और 5. धर्म।

संध्योपासन

संध्योपासन अर्थात् संध्या वंदन। मुख्य संधि पांच वक्त की होती है जिसमें से प्रातः और संध्या की संधि का महत्व ज्यादा है। संध्या वंदन को छोड़कर जो मनमानी पूजा-आरती आदि करते हैं उनका कोई धार्मिक महत्व नहीं। संध्या वंदन प्रतिदिन करना जरूरी है। संध्या वंदन के दो तरीके- प्रार्थना और ध्यान।

संध्या वंदन के लाभ - प्रतिदिन संध्या वंदन करने से जहां हमारे भीतर की नकारात्मकता का निकास होता है वहीं हमारे जीवन में सदा शुभ और लाभ होता रहता है। इससे जीवन में किसी प्रकार का भी दुख और दर्द नहीं रहता।

उत्सव

उन त्यौहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परम्परा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख धर्मग्रंथों में मिलता है। मनमाने त्यौहारों को मनाने से धर्म की हानि होती है। संक्रांतियों को मनाने का महत्व ही ज्यादा है। एकादशी पर उपवास करना और साथ ही त्यौहारों के दौरान मंदिर जाना भी उत्सव के अंतर्गत ही है।

उत्सव का लाभ - उत्सव से संस्कार, एकता और उत्साह का विकास होता है। पारिवारिक और सामाजिक एकता के लिए उत्सव जरूरी है। पवित्र दिन और उत्सवों में बच्चों के शामिल होने से उनमें संस्कार का निर्माण होता है वहीं उनके जीवन में उत्साह बढ़ता है। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों, एकादशी व्रतों की पूर्ति तथा सूर्य संक्रांतियों के दिनों में उत्सव मनाया जाना चाहिए।

तीर्थ

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। कौन-सा है एक मात्र तीर्थ? तीर्थाटन का समय क्या है? जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। अयोध्या, काशी, मथुरा, चार धाम और कैलाश में कैलाश की महिमा ही अधिक है।

लाभ - तीर्थ से ही वैराग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तीर्थ से विचार और अनुभवों को विस्तार मिलता है। तीर्थ यात्रा से जीवन को समझने में लाभ मिलता है। बच्चों को पवित्र स्थलों एवं मंदिरों की तीर्थ यात्रा का महत्व बताना चाहिए।

संस्कार

संस्कारों के प्रमुख प्रकार सोलह बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिंदू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह हमारे सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है।

लाभ - संस्कार हमें सभ्य बनाते हैं। संस्कारों से ही हमारी पहचान है। संस्कार से जीवन में पवित्रता, सुख, शांति और समृद्धि का विकास होता है। संस्कार विरूद्ध कर्म करना जंगली मानव की निशानी है।

धर्म

धर्म का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म को पांच तरीके से साधा जा सकता है- 1. व्रत, 2. सेवा, 3. दान, 4. यज्ञ और 5. धर्म प्रचार। यज्ञ के अंतर्गत वेदाध्ययन आता है जिसके अंतर्गत छह शिक्षा (वेदांग, सांख्य, योग, निरुक्त, व्याकरण और छंद), और छह दर्शन (न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, सांख्य, वेदांत और योग) को जानने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

लाभ - व्रत से मन और मस्तिष्क जहां सुदृढ़ बनता है वहीं शरीर स्वस्थ और बलवान बना रहता है। दान से पुण्य मिलता है और व्यर्थ की आसक्ति हटती है जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। सेवा से मन को जहां शांति मिलती है वहीं धर्म की सेवा भी होती है। सेवा का कार्य ही धर्म है। यज्ञ है हमारे कर्तव्य जिससे ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है।

ऐसी वस्तुओं को नदी में बहा देना ही शुभ है क्योंकि...

पूजा रूम से हटाया गया कोई भी सामान चाहे वह मूर्ति हो, पितृ को या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख हो या फूल घर के किसी और जगह पर ना रखें। ऐसी वस्तुओं को किसी नदी में प्रवाहित कर देना शुभ होता है लेकिन ये बहुत कम लोग जानते हैं कि इन सभी चीजों को पूजास्थल से हटाने के बाद घर में क्यों नहीं रखना चाहिए?

दरअसल ताजे फूलों को पूजा में हमेशा रखा जाता है। इसका कारण यह है कि फूल की खुशबू और सुन्दरता पूजन करने वाले के मन को सुन्दरता और शांति का एहसास दिलवाती है। ऐसा माना जाता है कि जब पूजा में इनका उपयोग किया जाता है, तो फूल अद्भुत ऊर्जा का सृजन पूरे घर में करते हैं और इससे घर में खुशियों का आगमन होता है। जबकि इसके विपरित मुरझाये फूल मृत्यु के सूचक माने जाते हैं। साथ ही हमेशा पूजन आदि कर्म करते समय यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि घर में किसी तरह की खंडित मूर्ति नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार खंडित मूर्ति की पूजा को अपशकुन माना गया है। शास्त्रों के अनुसार ऐसी मूर्ति के पूजन से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि प्रतिमा पूजा करते समय भक्त का पूर्ण ध्यान भगवान और उनके स्वरूप की ओर ही होता है। अतः ऐसे में यदि प्रतिमा खंडित होगी तो भक्त का सारा ध्यान उस मूर्ति के उस खंडित हिस्से पर चले जाएगा और वह पूजा में मन नहीं लगा सकेगा। इसके अलावा पितृ या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख को भी घर में रखना शुभ नहीं माना जाता है। तीनों बातों के पीछे का कारण वास्तु से ही जुड़ा है। वास्तु के अनुसार इन तीनों ही चीजों का घर में रखने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा का स्तर कम होने लगता है व नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। इसलिए इन्हें तुरंत ही नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

श्रीमहेश्वर हनुमान भक्तों पर मेहरबान

हरि के प्रदेश हरियाणा में सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। समय-समय पर यहां ऋषि-मुनियों ने तप किया और उनके अनन्य भक्तों ने उनके धार्मिक स्थलों का निर्माण करवाया। विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णित है कि समस्त भारतवर्ष में लगभग 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। कलयुग में पवनपुत्र हनुमान, मां भगवती और शिवशंकर भोलेनाथ की विशेष रूप से आराधना की जाती है। हरियाणा में स्थित इनके धार्मिक स्थल हरियाणावासियों की इनके प्रति अगाध आस्था को परिलक्षित करते हैं। हरियाणा की पावन धरा पर पवनपुत्र हनुमान के भी असंख्य मंदिर बने हैं। यहां शायद ही कोई ऐसा गांव या शहर होगा जहां हनुमान मंदिर न हो।

हरियाणा में स्थित कुछ हनुमान मंदिर तो प्राचीन हैं और कुछ का निर्माण अभी हो रहा है या कुछ समय पूर्व पूरा हुआ है। श्रीमहेश्वर हनुमान मंदिर भी इनमें शुमार है जिसका निर्माण हनुमान भक्त ओमप्रकाश खुराना ने अपने बेटे महेश खुराना की याद में करवाया था। यह मंदिर कुरुक्षेत्र के सेक्टर-13 में कांग्रेस भवन के पास स्थित है। मंदिर का भवन बहुत सुंदर है। इस मंदिर का विधिवत उद्घाटन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने किया था। वर्ष 2010 में इस हनुमान मंदिर में शिव परिवार, शिवलिंग तथा मां भगवती की मूर्तियों की स्थापना की गई थी। इस मंदिर में मुख्य मूर्ति पवनपुत्र हनुमान की है जो लगभग आठ फुट ऊंची अत्यंत सुंदर और तेजस्वी है। मंदिर के नीचे बेसमेंट है जहां लंगर का प्रबंध किया जाता है। मंदिर में सभी उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। पवनपुत्र हनुमान को बजरंग बली के साथ-साथ रामसेवक भी कहा जाता है, इसलिए श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र अपने भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर आशीर्वाद रूप में उनकी भी सेवा ही करते हैं। जो व्यक्ति इनको अपना आराध्य मानकर सच्ची लगन से इनकी भक्ति करता है उसका साथ ये सदैव देते हैं। रूद्रावतार हनुमान अष्ट सिद्धि एवं नव निधि के दाता हैं। अतः श्रद्धालुओं का मानना है कि हनुमान की उपासना जीवन में सफलता दिलाने वाली है, इसलिए जब भी कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों व मार्ग से भटक जाता है तो उसको हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। हनुमान की उपासना करने से कई प्रकार की बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। श्रद्धालुओं का यह मानना है कि शनिदेव भी हनुमान भक्त का हर मुश्किल घड़ी में पूरा साथ देते हैं। श्रद्धालुओं के साथ पवनपुत्र हनुमान के अलावा शनिदेव का आशीर्वाद सदैव रहता है।

मंदिर में बना हाल इतना सुंदर है कि देखने वाला इसे अपलक देखता रह जाता है। भारतवर्ष के विभिन्न भागों से आए कथा वाचक यहां पर कथा का वाचन कर चुके हैं जिनमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, राजेंद्र पराशर, स्वामी विशेश्वरी देवी, स्वामी ज्ञानेश्वरी देवी, स्वामी चितम्बा और पंडित कृष्ण चंद ठाकुर पटौदीवाले प्रमुखता से शामिल हैं। इसके अलावा मंदिर के बेसमेंट में आर्ट ऑफ लिविंग के कई शिविर लग चुके हैं। इस हाल का इस्तेमाल जनकल्याण कार्यो के लिए किया जाता है।

नवरात्रों में हजारों श्रद्धालु यहां आकर मां भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती के पाठ के अलावा शाम को मां दुर्गा की महिमा का गुणगान करते हैं। इसी तरह शिवरात्रि के अवसर पर शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लाकर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। मंगलवार के दिन तो यहां लंबी-लंबी कतार लग जाती हैं। इस दिन यहां दूर-दूर से श्रद्धालु प्रसाद चढ़ाने आते हैं। हर मंगलवार को सुंदरकांड का पाठ व कीर्तन भी किया जाता है। हर वर्ष मंदिर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथा वाचक और गायक बुलाए जाते हैं और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। कार्यक्रम के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें शहर से असंख्य श्रद्धालु शिरकत करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। मंदिर के संरक्षक ओमप्रकाश खुराना तथा उनकी सहयोगी टीम के सदस्यों के सहयोग से मंदिर का प्रबंधन सुंदर ढंग से चल रहा है। मंदिर में स्थापित पवनपुत्र के मुंह बोलते विग्रह को देखकर हर कोई सहज ही नतमस्तक हो जाता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र हनुमान की उपासना शीघ्र फलदायी है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

सत्यम ज्वैलर्स के ताले खुले : 100 करोड़ रुपए फंसे होने का आरोप

नीमच । दिवंगत सर्राफा व्यापारी बहादुर सोनी से जुड़े करोड़ों की देनदारी के विवाद में मंगलवार को नया मोड़ आया। पुलिस ने सत्यम ज्वैलर्स की दुकान की सील खोली, जो बहादुर सोनी के निधन के बाद से बंद थी। यह कार्रवाई करोड़ों रुपए के निवेश और गहनों की अमानत से संबंधित विवाद की जांच के तहत की गई। दुकान को पहली बार बहादुर सोनी की पत्नी और पुत्री की मौजूदगी में खोला गया। कैंट पुलिस ने दुकान के भीतर रखे दस्तावेजों और स्टॉक की बारीकी से जांच शुरू की है।

दुकान खुलने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में पीड़ित ग्राहक और निवेशक मौके पर जमा हो गए। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया। दुकान के बाहर जमा निवेशकों का आक्रोश तब बढ़ गया जब पुलिस ने केवल परिवार के सदस्यों को अंदर जाने की अनुमति दी।

पीड़ितों ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है, जिससे उन्हें सबूतों के साथ छेड़छाड़ होने की आशंका है। उनका कहना है कि बहादुर सोनी पर भरोसा कर उन्होंने अपनी जीवन भर की पूंजी, सोना और नकदी जेवर बनवाने के लिए सौंपे थे। प्रारंभिक तौर पर 15 करोड रुपए की राशि निवेशकों की फसी हुई है। हालांकि शहर में इस मामले में 100 करोड़ से अधिक की राशि फसी होने की चर्चा है। कई निवेशकों ने अपनी बेटियों की शादी के लिए गहनों की एडवांस बुकिंग भी करवा रखी थी।

बहादुर सोनी के निधन के बाद उनके परिवार और व्यापारिक साझेदार इस देनदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। पीड़ितों के पास फर्म के लेटर पैड पर लिखी रसीदें मौजूद हैं, लेकिन उन्हें अपनी अमानत वापस मिलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है।

पुलिस फिलहाल जांच कर रही है कि रजिस्टर में दर्ज रिकॉर्ड और ग्राहकों के दावों में कितनी सच्चाई है। नीमच सिटी थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने बताया कि सत्यम ज्वैलर्स की दोनों दुकानों को खोलकर दस्तावेज जब्त किए गए हैं। इस दौरान उनके परिजन भी मौजूद थे। दस्तावेजों की जांच के बाद पूरे मामले की आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राकेश भारद्वाज पुनः बने नीमच मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष

112 मतों से दर्ज की शानदार जीत

नीमच 5 जनवरी (निप्र)। नीमच कृषि उपज मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव में राकेश भारद्वाज ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए एक बार फिर व्यापारियों का भरोसा जीत लिया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शैलेंद्र गर्ग को 112 मतों के अंतर से पराजित किया। इस चुनाव में व्यापारियों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली, जहां रिकॉर्ड 89.3 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 1001 पंजीकृत मतदाताओं में से 894 व्यापारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना रविवार रात से सोमवार सुबह तक चली।

अध्यक्ष पद के चुनाव से पूर्व कार्यकारिणी के 10 सदस्यों का चुनाव संपन्न हुआ। 18 प्रत्याशियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद कमलेश कुमार गर्ग (708), नवीन कुमार अग्रवाल (702), विजय कुमार जैन (663), विक्रम अजमेरा (644), संजय गर्ग (636), राहुल गोयल (573), विकास अरुण गोयल (569), प्रवीण सिंहल (548), अनिल मित्तल (535) और मनीष कुमार जैन (473) निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यकारिणी सदस्यों की मतगणना रविवार शाम 6:30 बजे से सोमवार सुबह 6:30 बजे तक चली। कार्यकारिणी के परिणाम घोषित होने के बाद सोमवार सुबह अध्यक्ष पद की मतगणना शुरू हुई। कुल 18 राउंड की गिनती के बाद राकेश भारद्वाज को 502 मत, जबकि शैलेंद्र गर्ग को 390 मत प्राप्त हुए। इस दौरान 2 मत निरस्त घोषित किए गए। इस प्रकार राकेश भारद्वाज ने 112 मतों से स्पष्ट बढ़त के साथ विजय दर्ज की।

परिणाम घोषित होते ही मंडी परिसर उत्सव के रंग में रंग गया। समर्थकों ने ढोल-धमाकों, आतिशबाजी और जयकारों के साथ नवनिर्वाचित अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। व्यापारियों और समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी जाहिर की।

अपनी जीत पर राकेश भारद्वाज ने व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पिछले 20 वर्षों से मंडी व्यापारियों के हितों के लिए कार्य करते आ रहे हैं और यह जीत उनके कार्यों और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव समाप्त हो चुके हैं और वे सभी व्यापारियों, चाहे उन्होंने उन्हें मत दिया हो या नहीं के मान-सम्मान, एकता और हितों की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

कुल मिलाकर, रिकॉर्ड मतदान और स्पष्ट जनादेश के साथ हुई इस जीत ने यह साबित कर दिया है कि नीमच मंडी व्यापारी संघ में अनुभव, स्थिरता और भरोसेमंद नेतृत्व को व्यापारियों ने एक बार फिर प्राथमिकता दी है।

स्लीपर बस से 14.815 किलो अफीम जब्त

नीमच में ढाई लाख नकदी भी बरामद, ड्राइवर और क्लीनर गिरफ्तार

नीमच 5 जनवरी (निप्र)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) ने स्लीपर बस की तलाशी में करीब 3 लाख की अफीम और ढाई लाख रुपए की नकदी बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में बस के ड्राइवर और क्लीनर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को कार्रवाई की जानकारी दी है।

ब्यूरो को गुप्त सूचना मिली थी कि नीमच से जोधपुर जाने वाली 'कल्पना ट्रैवल्स' की बस में मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी पर कार्रवाई करते हुए CBN नीमच की विशेष टीम ने 3 जनवरी की रात जावद-नयागांव टोल प्लाजा पर घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध बस वहां पहुंची, उसे रोककर उसकी बारीकी से तलाशी शुरू की गई।

ड्राइवर केबिन के पास पैकेटों में मिली 14.815 किलो अफीम – जांच के दौरान टीम को ड्राइवर केबिन में एक खास जगह छिपाकर रखी गई प्लास्टिक की थैली मिली। जब इसे खोलकर देखा गया, तो उसमें पीले रंग की टेप से लिपटे कई पैकेट निकले। इन पैकेटों के अंदर 14.815 किलोग्राम अवैध अफीम भरी हुई थी। नारकोटिक्स विभाग ने ड्रग्स को कब्जे में लेकर बस को भी जब्त कर लिया है।

तस्करी के ढाई लाख रुपए और बस भी जब्त – अफीम के साथ-साथ बस के स्टीयरिंग के पास से 2.5 लाख रुपए नकद भी बरामद हुए हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह पैसा नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त से कमाया गया था। पकड़े गए ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस – सोमवार को इस मामले का खुलासा करते हुए नारकोटिक्स अधिकारियों ने बताया कि यह अफीम कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। ब्यूरो को उम्मीद है कि आरोपियों से पूछताछ में तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क का पता चल सकता है और जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

नीमच नपा विशेष सम्मेलन में विकास प्रस्तावों पर मुहर, साथ ही हंगामे ने खींचा ध्यान

विकास पर सर्वसम्मति : नीमच नपा सम्मेलन में 25 प्रस्ताव पास

करोड़ों के विकास प्रस्ताव पारित, बैठक में हुआ हंगामा, बना रहा चर्चा का विषय

नीमच 5 जनवरी (निप्र)। नगर पालिका परिषद नीमच का विशेष सम्मेलन सोमवार को बंगला नंबर 60 स्थित परिषद हाल में आयोजित हुआ। सम्मेलन में शहर के समग्र विकास से जुड़े 25 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लंबी चर्चा के बाद सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। पार्किंग शुल्क निर्धारण, नगर सीमा विस्तार, वार्ड परिसीमन, सड़क निर्माण, टाउन हॉल जीर्णोद्धार, कर्मचारियों को राहत तथा नामांतरण व लीज नवीनीकरण जैसे अहम निर्णयों ने जहां विकास की नई दिशा तय की, वहीं सम्मेलन के दौरान हुए हंगामे ने भी शहरभर में चर्चा का विषय बना दिया।

सम्मेलन में टैगोर मार्ग पर पार्किंग शुल्क को लेकर सबसे अधिक बहस हुई। प्रारंभ में 50 रुपये शुल्क का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन जनप्रतिनिधियों की आपत्तियों के बाद इसे घटाकर 10 रुपये प्रति घंटा करने पर परिषद की सहमति बनी।

विकास के साथ हंगामा भी चर्चा में – बैठक के दौरान कुछ पार्षदों द्वारा हल्ला बोल करते हुए जमकर प्रदर्शन किया गया और प्रेस नोट भी जारी किया गया। आरोप लगाए गए कि इस तरह के विरोध-प्रदर्शन से न केवल बैठक का माहौल बार-बार खराब होता है, बल्कि शहर के विकास से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा भी प्रभावित होती है। परिषद के भीतर यह बात भी सामने आई कि हर सम्मेलन में इस प्रकार की स्थिति बनने से विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है, जो नगर के हित में उचित नहीं मानी जा रही।

'अटल सेतु', मॉडल रोड और करोड़ों के कार्य – सम्मेलन में प्राइवेट बस स्टैंड की पुलिया का नामकरण 'अटल सेतु' किए जाने, वार्ड क्रमांक 25 के टैगोर मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित करने तथा विभिन्न वार्डों में 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही नगर सीमा विस्तार एवं वार्ड परिसीमन का प्रस्ताव भी शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

कर्मचारियों व नागरिकों को राहत – स्वास्थ्य, जलप्रदाय एवं निर्माण शाखा के 400 से अधिक अस्थायी कर्मचारियों को 89 दिनों के लिए पुनः कार्य पर रखने, सेवानिवृत्त व मृतक कर्मचारियों के परिजनों को दैनिक श्रमिक के रूप में अवसर देने तथा 47 नामांतरण, 61 लीज नवीनीकरण और बंगला बगीचा के प्रकरणों के निपटारे को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

अवैध नल संयोजन पर सख्ती – नगर पालिका ने अवैध नल संयोजन लेने वालों को तीन दिवस में कनेक्शन वैध कराने की अंतिम चेतावनी दी है। तय समय के बाद अवैध नल संयोजनों को विच्छेद करने और पुनः पाए जाने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

एक ओर जहां विशेष सम्मेलन में लिए गए फैसलों से शहर के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है, वहीं बार-बार होने वाले हंगामों ने नगर की राजनीति और परिषद की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे यह सम्मेलन विकास के साथ-साथ विवाद के कारण भी चर्चा में रहा।

उत्कृष्ट विद्यालय एवं मॉडल स्कूल में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के आवेदन करें

नीमच 5 जनवरी (निप्र)। जिला स्तरीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नीमच एवं विकासखण्ड स्तरीय मॉडल स्कूल जावद एवं नीमच में सत्र 2026-27 में कक्षा 9वी में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया 29 दिसम्बर से प्रारम्भ की गई है। आवेदन करने की अंतिम दिनांक 16 जनवरी 2026 हैं। राज्य ओपन बोर्ड के द्वारा प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवेदक एम.पी.आनलाईन के माध्यम से चयन परीक्षा हेतु आवेदन प्रस्तुत करेंगे। चयन परीक्षा शुल्क राशि 200/- निर्धारित है जिसे आनलाईन आवेदन पत्र भरते समय जमा किया जा रहा है। चयन परीक्षा की तिथि 8 फरवरी 2026 निर्धारित हैं । जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम.मांगरिया ने बताया, कि उक्त चयन परीक्षा के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को जिला स्तर पर संचालित शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. तथा मॉडल स्कूलों में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन का अवसर प्राप्त होता हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उत्कृष्ट विद्यालयों एवं मॉडल विद्यालयों में बेहतर व्यवस्थाऐं प्रदान की जाती हैं। जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस हेतु आवेदन प्रस्तुत कर, चयन परीक्षा में बैठना चाहिए।

7 फरवरी से 10वीं-12वीं की परीक्षाएं

इस बार 'मोबाइल एप' रोकेगा पेपर लीक

भोपाल 5 जनवरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं सात फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। मंडल ने तैयारी कर ली है। पेपर लीक जैसी घटनाएं न हों, इसके लिए मोबाइल एप से ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। वहीं परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल प्रतिबंध रहेगा। केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित कोई स्टाफ भी केंद्र में मोबाइल नहीं ले जा सकेगा। प्रदेश के 700 संवेदनशील और अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जैमर और 226 केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनकी निगरानी मंडल कंट्रोल रूम से ऑनलाइन करेगा।

सूचना के आदान-प्रदान के लिए वैकल्पिक व्यवस्था – परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल भी तैयार किया गया है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। परीक्षा में तैनात सभी अधिकारी मोबाइल पर मंडल का एप डाउनलोड करेंगे। एप पर पुलिस थाने से प्रश्न-पत्र निकलने, केंद्रों पर बंडल खोलने से लेकर वितरण करने, परीक्षा खत्म होने के बाद बंडल बनने और मूल्यांकन केंद्र पर जमा करने तक की एंट्री की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।